पाठ - 6
हिसाब किताब

الدرس السادس - هندي
الحساب

लोग मैदाने महशर में लम्बे समय तक रहेंगे और अपने बीच फैसला किये जाने और हिसाब व किताब का इन्तिज़ार करेंगे और साथ ही धूप भी तेज़ होगी तो लोग ऐसे व्यक्ति की खोज में निकलेंगे जो मख़लूक़ात के बीच फैसले के लिए सिफ़ारिश कर सके।

सभी लोग आदम अलैव के पास पहुचेंगे, लेकिन वे असमर्थता व्यक्त कर देंगे। फिर नूह अलैहिस्सलाम के पास जायेंगे वह भी उज्र कर लेंगे। उसके बाद इबराहीम अलैव की सेवा में पहुचेंगे, वे भी माज़रत कर लेंगे तो लोग मूसा अलैव के पास जायेंगे, लेकिन वह भी असमर्थता व्यक्त कर देंगे

फिर लोग ईसा अलैहिस्सलाम की सेवा में पहुंचेंगे, मगर वे भी असमर्थता व्यक्त कर देंगे।

अतएव अन्त में सभी लोग नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सेवा में हाज़िर होंगे, तो आप कहेंगे कि मैं सिफ़ारिश करुंगा और अर्श के नीचे सजदे में गिर जायेंगे। और रब की वह तारीफ़ें बयान करेंगे जिन्हें अल्लाह इस अवसर पर आपको बतायेगा। उसके बाद आपसे कहा जायेगा,ऐ मुहम्मद! अपना सिर उठाओ, मांगो, दिया जायेगा और सिफ़ारिश करो, तुम्हारी सिफ़ारिश क़ुबूल की जायेगी

फिर अल्लाह तआला लोगों के बीच फैसले और हिसाब–किताब की इजाज़त देगा और सबसे पहले मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की उम्मत का हिसाब किताब होगा बन्दों के आमाल में सबसे पहले नमाज़ का हिसाब लिया जायेगा। यदि वह ठीक होगी और स्वीकार कर ली जायेगी तो अन्य कर्मों को देखा जायेगा। और यदि नमाज़ रद्द कर दी गयी तो दूसरे आमाल भी रद्द कर दिये जायेंगे। बन्दों से पांच चीज़ों के बारे में सवाल किया जायेगा। उसकी आयु के बारे में कि उसे उसने किस चीज़ में खर्च किया, उसकी जवानी के बारे में कि उसे कहां गुज़ारा, उसके माल के बारे में कि उसे कहां से कमाया और कहां खर्च किया और इल्म (ज्ञान) के बारे में कि कितना उस पर अमल किया। अलबत्ता मामलात में बन्दों के बीच सबसे पहले खून का फैसला किया जायेगा। उस दिन नेकियों और बुराइयों के ज़रिया क़ेसास दिया जायेगा। किसी व्यक्ति के नेकियों को लेकर उसके फ़रीक़ को दे दिया जायेगा और जब उसकी नेकियां खत्म हो जायेंगी तो उसकी बुराइयां उस व्यक्ति के खाते में डाल दी जायेंगी। उस दिन पुल सिरात स्थापित किया जायेगा। सिरात एक पुल होगा जो बाल से अधिक पतला और तलवार से अधिक तेज़ होगा। उसे जहन्नम के ऊपर स्थापित किया जायेगा। जिन लोगों ने अच्छा अमल (कर्म) किया होगा वे पलक झपकते उस पुल से गुज़र जायेंगे, तो कुछ हवा की तरह गुज़रेगें, कुछ अच्छे क़िस्म के घोड़े की गति में पार कर जायेंगे तो कुछ लोग घिसटते हुए पुल सिरात को पार कर जायेंगे। पुल सिरात पर आंकस लगे होंगे जो लोगों को उचक लेंगे और उन्हें जहन्नम में डाल देंगे। काफ़िरों और मोमिनों में से जिन गुनहगार बन्दों को अल्लाह चाहेगा, वे जहन्नम में गिर जायेंगे। काफ़िर तो हमेशा–हमेशा के लिए जहन्नम में रहेंगे, जबकि वह मोमिन जिन से कुछ गुनाह हो गया होगा, उन्हें अल्लाह जितना चाहेगा, अज़ाब देगा और फिर उन्हें जहन्नम से निकाल कर जन्नत में दाख़िल कर देगा। अल्लाह तआला रसूलों और नबियों में से जिन्हें चाहेगा, उन्हें अहले तौहीद में से जहन्नम में दाखिल हुए लोगों के हक़ में सिफ़ारिश करने की अनुमति देगा। और उनकी सिफ़ारिश से अल्लाह उन्हें जहन्नम की आग से निकालेगा।

पुल सिरात को पार करने वाले जन्नती लोग जन्नत और जहन्नम के बीच एक पुल पर रुकेंगे, जहां एक दूसरे का बदला दिलाया जायेगा। उनमें से जिसके ज़िम्मे उसके भाई का कोई हक़ होगा तो जब तक बदला नहीं दिला दिया जायेगा और हरेक का दिल दूसरे के प्रति ठीक न हो जायेगा वह जन्नत में दाख़िल न होगा। जब जन्नती जन्नत में और जहन्नमी जहन्नम में दाख़िल हो जायेंगे तो मौत को एक मेंढ़े की शक्ल में लाया जायेगा और उसे जन्नत व जहन्नम के बीच ज़िब्ह कर दिया जायेगा। उसको जन्नती और जहन्नमी सभी लोग देख रहे होंगे

उसके बाद कहा जायेगा कि जन्नतियो! अब हमेशा ज़िन्दा रहना है, मौत नहीं आयेगी, जहन्नमियो! अब हमेशा ज़िन्दा रहना है, मौत नहीं आयेगी। उस समय यदि खुशी से मरना संभव होता तो जन्नती मारे खुशी के मर जाते और ग़म से मरना संभव होता तो जहन्नमी ग़म से मर जाते।